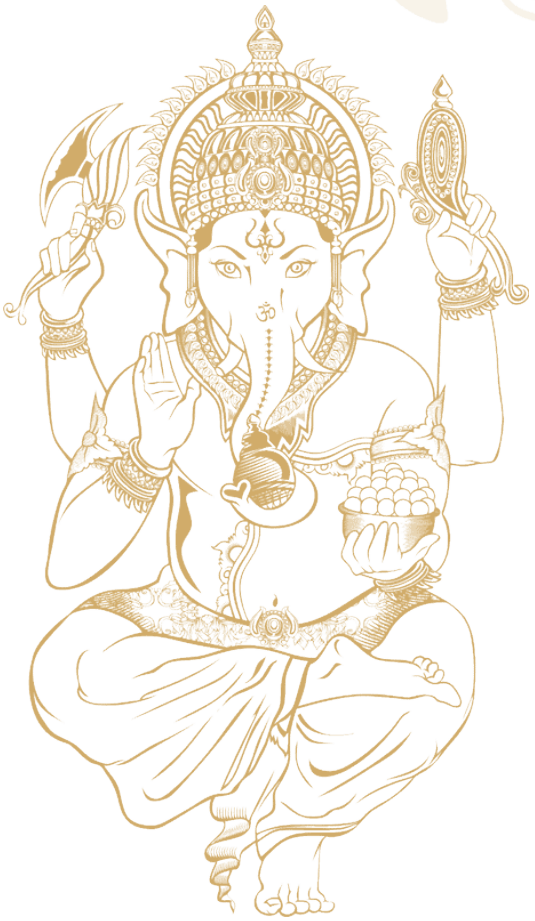

Bhavesh

Muskaan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121725609

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/03/1998	जन्म तिथि	06/09/1999
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 08:45:00	जन्म समय	20:55:00 घंटे
घटी 05:36:59	जन्म समय(घटी)	36:51:48 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Durg
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	21:12:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	81:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:04:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:30:12	सूर्योदय	05:49:24
18:37:32	सूर्यास्त	18:16:37
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:57

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 8मा 24दि	18:21:49	मेष	लग्न	मेष	11:34:49	शनि 11वर्ष 8मा 26दि
सूर्य	06:28:24	मीन	सूर्य	सिंह	19:44:44	बुध
14/12/2022	04:19:05	धनु	चंद्र	कर्क	08:25:44	03/06/2011
13/12/2028	18:50:38	मीन	मंगल	वृश्चि	08:33:52	02/06/2028
सूर्य 02/04/2023	24:47:32	मीन	बुध	सिंह	17:52:43	बुध 30/10/2013
चन्द्र 02/10/2023	16:51:00	कुंभ	गुरु व	मेष	10:52:36	केतु 27/10/2014
मंगल 07/02/2024	20:10:38	मक	शुक्र व	कर्क	25:19:05	शुक्र 27/08/2017
राहु 31/12/2024	26:35:46	मीन	शनि व	मेष	23:16:51	सूर्य 03/07/2018
गुरु 20/10/2025	16:30:42	सिंह	राहु	कर्क	18:53:49	चन्द्र 03/12/2019
शनि 02/10/2026	16:30:42	कुंभ	केतु	मक	18:53:49	मंगल 29/11/2020
बुध 08/08/2027	17:36:22	मक	हर्ष व	मक	19:50:48	राहु 18/06/2023
केतु 14/12/2027	07:48:10	मक	नेप व	मक	08:06:16	गुरु 23/09/2025
शुक्र 13/12/2028	14:12:18	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:59:01	शनि 02/06/2028

लग्न-चलित

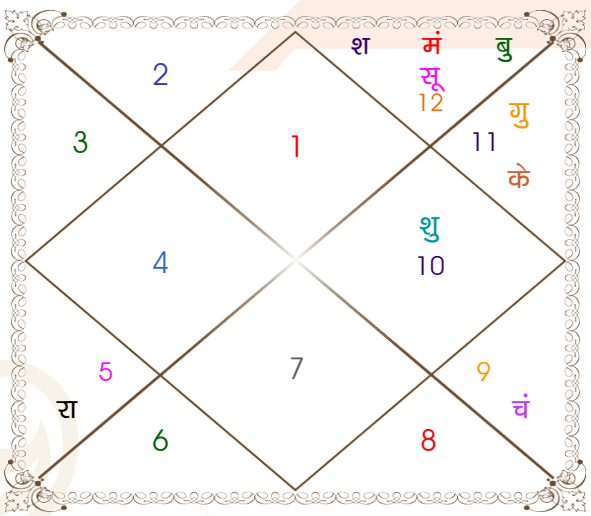

लग्न-चलित

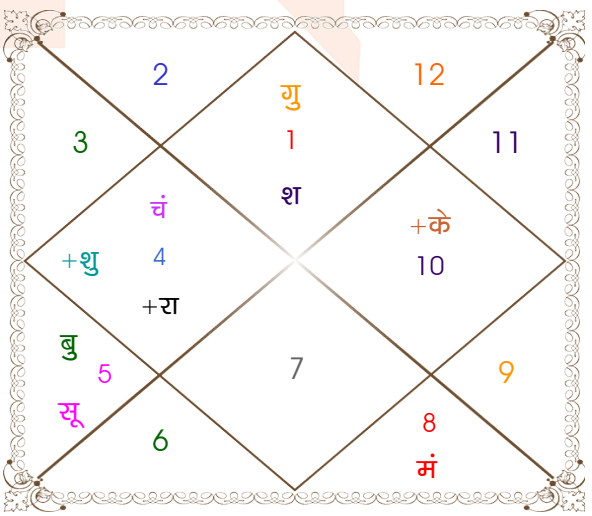

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Bhavesh का वर्ग मृग है तथा Muskaan का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Bhavesh और Muskaan का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Bhavesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Muskaan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Muskaan कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Bhavesh तथा Muskaan में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।